Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,

बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 20.06.2017

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 21 जून 2017 से 25 जून 2017 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		21.06.17	22.06.17	23.06.17	24.06.17	25.06.17
1.	वर्षा	**1**	**4**	**0**	**3**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	बादल	बादल	आंशिक बादल	बादल	आंशिक बादल
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**39**	**38**	**38**	**39**	**38**
	न्यूनतम	**29**	**28**	**29**	**28**	**28**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**84**	**85**	**84**	**82**	**81**
	न्यूनतम	**34**	**39**	**36**	**31**	**30**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**6**	**5**	**7**	**9**	**8**
7	कुलवर्षा	**08.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान के कम होने , आपेक्षिक आर्द्रता के बढ़ने तथा वायु की औसत गति मध्यम रहने, आसमान में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।**
- सफेद लट कीट के प्रभावी नियंत्रण के लिए मौसम कि पहली बारिश के साथ ही दोपहर में खेजड़ी व झाड़ीदार वृक्षों पर मोनोक्रोटोफोस 36 डब्ल्यू.एम.सी या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. नामक दवा का 1.5 से 2.0 मिली /लीटर की दर से पानी के साथ छिड़काव करें।
- बड़े पेड़ों पर सफेद लट के प्रोढ़ो को आकर्षित करने के लिए एनिसोल नामक रसायन का 3 मिली/स्पंज/पेड़ के आधार से पेड़ो पर फेंक कर कीटनाशी का छिड़काव करें।
- मानसून या मानसून के पूर्व की वर्षा का लाभ लेने के लिए मूँगफली की बुवाई की तैयारी रखे। उन्नत बीज , बीज उपचार के लिए रसायन उर्वरक आदि की व्यवस्था करें और अच्छी मात्रा में वर्षा होने पर बुवाई करें।
- जिन क्षेत्रों मे पिछले दिनों वर्षा हो गई है, मूँगफली की बुवाई हेतु 10 - 15 टन प्रति हेक्टर की दर से अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट को खेत में समान रूप से बिखेर कर खेत में मिलायें।
- दीमक के प्रभावी नियंत्रण के लिए मूँगफली मे बिजाई से पहले बीज को 3 मिली लीटर इमिडाक्लोप्रिड प्रति किलो की दर से उपचारित करे । इसके बाद राइजोबियम पी एस बी जीवाणु खाद 3 पैकेट/है. की दर से उपचारित करे ।
- बुवाई के समय 44 किग्रा यूरिया एवं 200 किग्रा एस एस पी /है की दर से उर्वरक काम में लेवें।
- बिजाई के लिए उन्नत बीज जैसे एच एन जी 10, टी जी 37 ए आदि उन्नत क़िस्मों के बीज की 80 किग्रा /है की दर से बिजाई करें।
- बारानी क्षेत्रों में बाजरा कि बुवाई के लिए उन्नत क़िस्मों यथा एच.एच.बी. 67(imp), आर.एच.बी. 177, आई.सी.एम.एच. 356, आर.एच.बी. 173 आदि का बीज काम में लेवे तथा बुवाई के समय बीज़जनित रोगों की रोकथाम के लिए 3 ग्राम थायराम व दीमक से बचाव के लिए 4 मिली लीटर क्लोरोपायरीफॉस प्रति किलोग्राम बीज़ की दर से उपचारित करने के बाद ही बुवाई करे।
- मौसम मे परिवर्तन के कारण बाह्य एवं अंतः परजीवियो का प्रकोप हो सकता हैं। अतः पशु चिकित्सक की सलाह से बाह्य परजीवी जैसे जुएँ, चिचड़े, जोंक आदि से बचाव/रोकथाम के लिए ब्यूटोक्स अथवा टिक्कल नामक दवा 1 मिली प्रति लीटर की दर से पशुओ के शरीर पर प्रयोग करे।